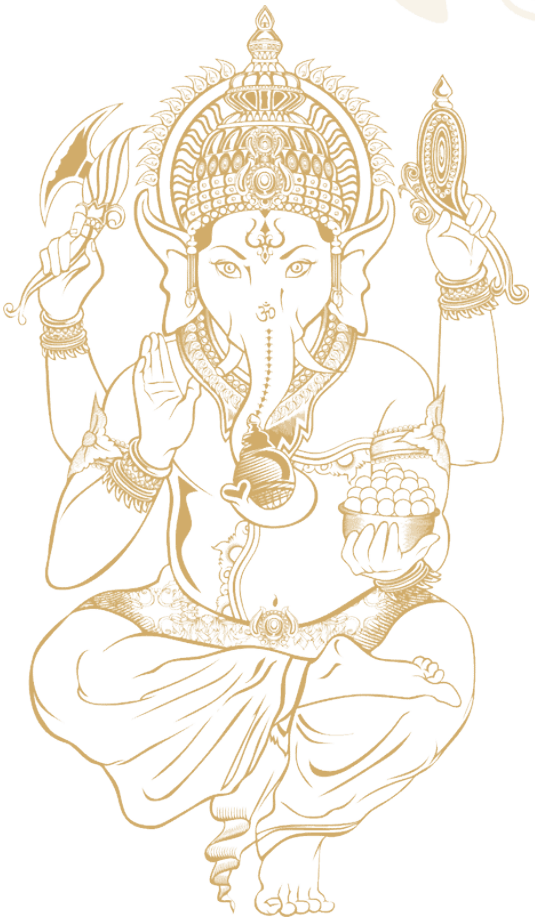

08 Aug 1960

12:10 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121374002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/08/1960**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:10:00 घंटे**
इष्ट	15:54:49 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:43:28 घंटे
वेलान्तर	-00:05:34 घंटे
साम्पातिक काल	08:50:34 घंटे
सूर्योदय	05:48:04 घंटे
सूर्यास्त	19:15:44 घंटे
दिनमान	13:27:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:23:58 कर्क
लग्न के अंश	13:15:34 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:15:34	305:03:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कर्क	22:23:58	00:57:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	08:30:02	14:35:06	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	10:42:12	00:39:08	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध			कर्क	03:30:28	01:10:48	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	00:42:38	00:02:18	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
शुक्र			सिंह	05:14:44	01:13:54	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	19:39:32	00:03:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	22:23:20	00:01:21	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	22:23:20	00:01:21	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	27:44:06	00:03:43	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
नेप			तुला	13:10:38	00:00:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो			सिंह	11:52:33	00:01:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	16:53:17	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:22

लग्न-चलित

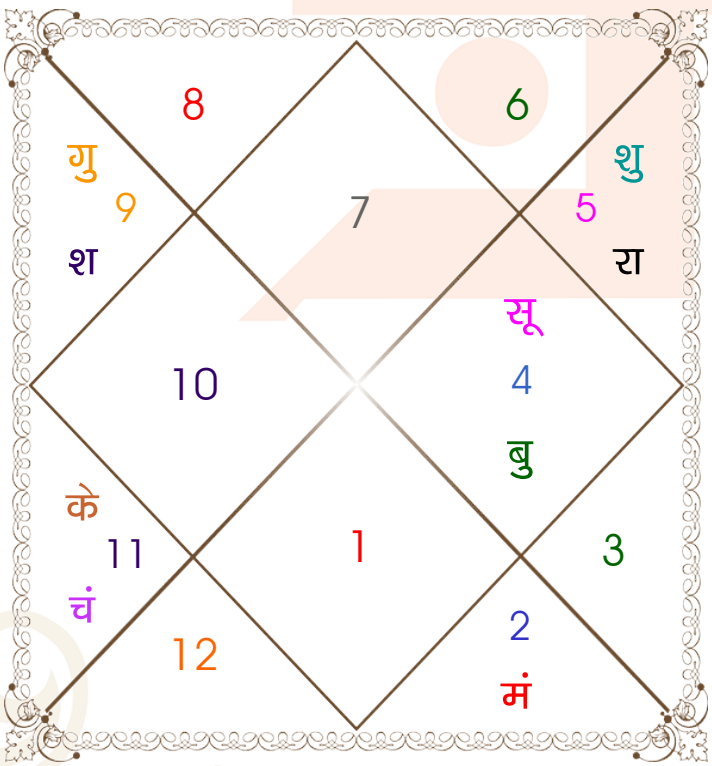

चन्द्र कुंडली

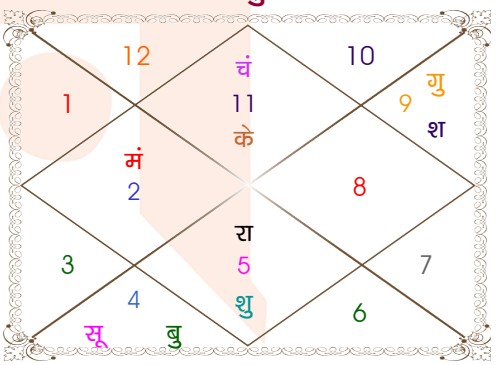

नवमांश कुंडली

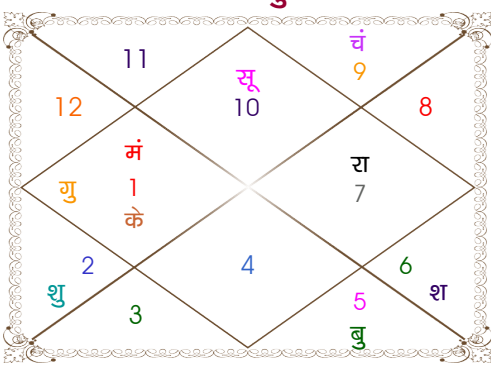

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 6 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/08/1960		16/02/1976		16/02/1992		16/02/2011		16/02/2028	
16/02/1976		16/02/1992		16/02/2011		16/02/2028		16/02/2035	
राहु	29/10/1960	गुरु	05/04/1978	शनि	19/02/1995	बुध	15/07/2013	केतु	14/07/2028
गुरु	24/03/1963	शनि	17/10/1980	बुध	29/10/1997	केतु	12/07/2014	शुक्र	13/09/2029
शनि	28/01/1966	बुध	23/01/1983	केतु	08/12/1998	शुक्र	12/05/2017	सूर्य	19/01/2030
बुध	17/08/1968	केतु	29/12/1983	शुक्र	07/02/2002	सूर्य	18/03/2018	चंद्र	20/08/2030
केतु	04/09/1969	शुक्र	29/08/1986	सूर्य	20/01/2003	चंद्र	18/08/2019	मंगल	16/01/2031
शुक्र	04/09/1972	सूर्य	18/06/1987	चंद्र	20/08/2004	मंगल	14/08/2020	राहु	04/02/2032
सूर्य	30/07/1973	चंद्र	17/10/1988	मंगल	29/09/2005	राहु	03/03/2023	गुरु	10/01/2033
चंद्र	29/01/1975	मंगल	23/09/1989	राहु	05/08/2008	गुरु	08/06/2025	शनि	19/02/2034
मंगल	16/02/1976	राहु	16/02/1992	गुरु	16/02/2011	शनि	16/02/2028	बुध	16/02/2035

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/02/2035		16/02/2055		15/02/2061		16/02/2071		16/02/2078	
16/02/2055		15/02/2061		16/02/2071		16/02/2078		00/00/0000	
शुक्र	17/06/2038	सूर्य	05/06/2055	चंद्र	17/12/2061	मंगल	15/07/2071	राहु	08/08/2080
सूर्य	18/06/2039	चंद्र	05/12/2055	मंगल	18/07/2062	राहु	02/08/2072		00/00/0000
चंद्र	15/02/2041	मंगल	11/04/2056	राहु	17/01/2064	गुरु	08/07/2073		00/00/0000
मंगल	18/04/2042	राहु	06/03/2057	गुरु	18/05/2065	शनि	17/08/2074		00/00/0000
राहु	17/04/2045	गुरु	23/12/2057	शनि	17/12/2066	बुध	15/08/2075		00/00/0000
गुरु	17/12/2047	शनि	05/12/2058	बुध	17/05/2068	केतु	11/01/2076		00/00/0000
शनि	16/02/2051	बुध	11/10/2059	केतु	17/12/2068	शुक्र	12/03/2077		00/00/0000
बुध	17/12/2053	केतु	16/02/2060	शुक्र	17/08/2070	सूर्य	18/07/2077		00/00/0000
केतु	16/02/2055	शुक्र	15/02/2061	सूर्य	16/02/2071	चंद्र	16/02/2078		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।